



15. जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन आए?

उत्तर:- जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो स्थिति में बदलाव आने लगा और संबंध बदलने लगे। लेखक ने उसके साथ मुस्कुराकर बात करना छोड़ दिया, बातचीत के विषय समाप्त हो गए। सौहार्द व्यवहार अब बोरियत में बदल गया। मधुर संबंध कटुता में परिवर्तित हो गए। सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो गई। डिनर से खिचड़ी तक पहुँचकर अतिथि के जाने का चरम क्षण समीप आ गया था। इसके बाद लेखक उपवास तक जाने की तैयारी करने लगा। लेखक अतिथि को ‘गेट आउट’ तक कहने के लिए तैयार हो गया।

• भाषा अध्ययन

**16. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्याय लिखिए —
चाँद, ज़िक्र, आघात, ऊष्मा, अंतरंग**

उत्तर:-

चाँद	राकेश	शशि
ज़िक्र	उल्लेख	वर्णन
आघात	हमला	चोट
ऊष्मा	गर्मी	घनिष्ठता
अंतरंग	घनिष्ठ	आंतरिक

17. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए –

(क) हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने जाएँगे। (नकारात्मक वाक्य)

(ख) किसी लॉण्ड्री पर दे देते हैं, जल्दी धुल जाएँगे।

(प्रश्नवाचक वाक्य)

(ग) सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी। (भविष्यत् काल)

(घ) इनके कपड़े देने हैं। (स्थानसूचक प्रश्नवाची)

(ङ) कब तक टिकेंगे ये? (नकारात्मक)

उत्तर:- (क) हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने नहीं जाएँगे।

(ख) किसी लॉण्ड्री पर दे देने से क्या जल्दी धुल जाएँगे?

(ग) सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो जाएगी।

(घ) इनके कपड़े यहाँ देने हैं।

(ङ) ये अब नहीं टिकेंगे।

18. पाठ में आए इन वाक्यों में ‘चुकना’ क्रिया के विभिन्न प्रयोगों को ध्यान से देखिए और वाक्य संरचना को समझिए –

(क) तुम अपने भारी चरण-कमलों की छाप मेरी ज़मीन पर अंकित कर चुके।

(ख) तुम मेरी काफ़ी मिट्टी खोद चुके।

(ग) आदर-सत्कार के जिस उच्च बिंदु पर हम तुम्हें ले जा चुके थे।

(घ) शब्दों का लेन-देन मिट गया और चर्चा के विषय चुक गए।

(ङ) तुम्हारे भारी-भरकम शरीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी और तुम यहीं हो।

उत्तर:- पाठ में आए इन वाक्यों में ‘चुकना’ क्रिया के विभिन्न प्रयोगों को ध्यान से देखिए और वाक्य संरचना को समझिए –

(क) तुम अपने भारी चरण-कमलों की छाप मेरी जमीन पर अंकित कर चुके।

(ख) तुम मेरी काफ़ी मिट्टी खोद चुके।

(ग) आदर-सत्कार के जिस उच्च बिंदु पर हम तुम्हें ले जा चुके थे।

(घ) शब्दों का लेन-देन मिट गया और चर्चा के विषय चुक गए।

(ङ) तुम्हारे भारी-भरकम शरीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी और तुम यहीं हो।

19. निम्नलिखित वाक्य संरचनाओं में 'तुम' के प्रयोग

पर ध्यान दीजिए –

(क) लॉण्ड्री पर दिए कपड़े धुलकर आ गए और तुम यहीं हो।

(ख) तुम्हें देखकर फूट पड़ने वाली मुस्कुराहट धीरे-धीरे फीकी पड़कर अब लुप्त हो गई है।

(ग) तुम्हारे भरकम शरीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी।

(घ) कल से मैं उपन्यास पढ़ रहा हूँ और तुम फिल्मी पत्रिका के पन्ने पलट रहे हो।

(ङ) भावनाएँ गलियों का स्वरूप ग्रहण कर रही हैं, पर तुम जा नहीं रहे।

उत्तर:- निम्नलिखित वाक्य संरचनाओं में 'तुम' के प्रयोग पर ध्यान दीजिए –

(क) लॉण्ड्री पर दिए कपड़े धुलकर आ गए और तुम यहीं हो।

(ख) तुम्हें देखकर फूट पड़ने वाली मुस्कुराहट धीरे-धीरे फीकी पड़कर अब लुप्त हो गई है।

(ग) तुम्हारे भरकम शरीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी।

(घ) कल से मैं उपन्यास पढ़ रहा हूँ और तुम फिल्मी पत्रिका के पन्ने पलट रहे हो।

(ङ) भावनाएँ गलियों का स्वरूप ग्रहण कर रही हैं, पर तुम जा नहीं रहे।

***** END *****